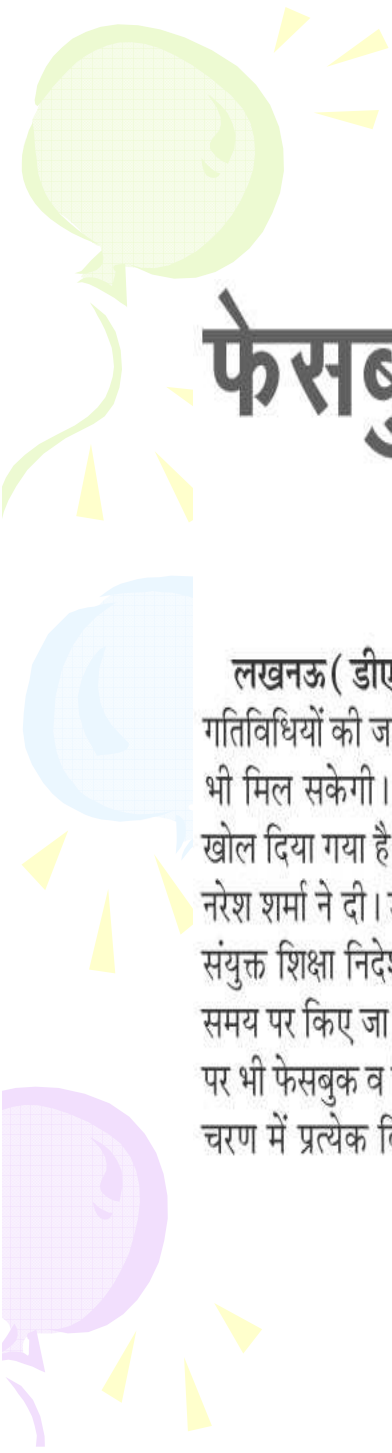




विज्ञान पठन—पाठन
में
सोशल मीडिया की भूमिका

धनंजय चोपड़ा

पाठ्यक्रम समन्वयक, सेण्टर ऑफ मीडिया स्टडीज,
इलाहाबाद विश्वविद्यालय



फेसबुक व ट्विटर पर मिलेगी माध्यमिक शिक्षा विभाग की जानकारी

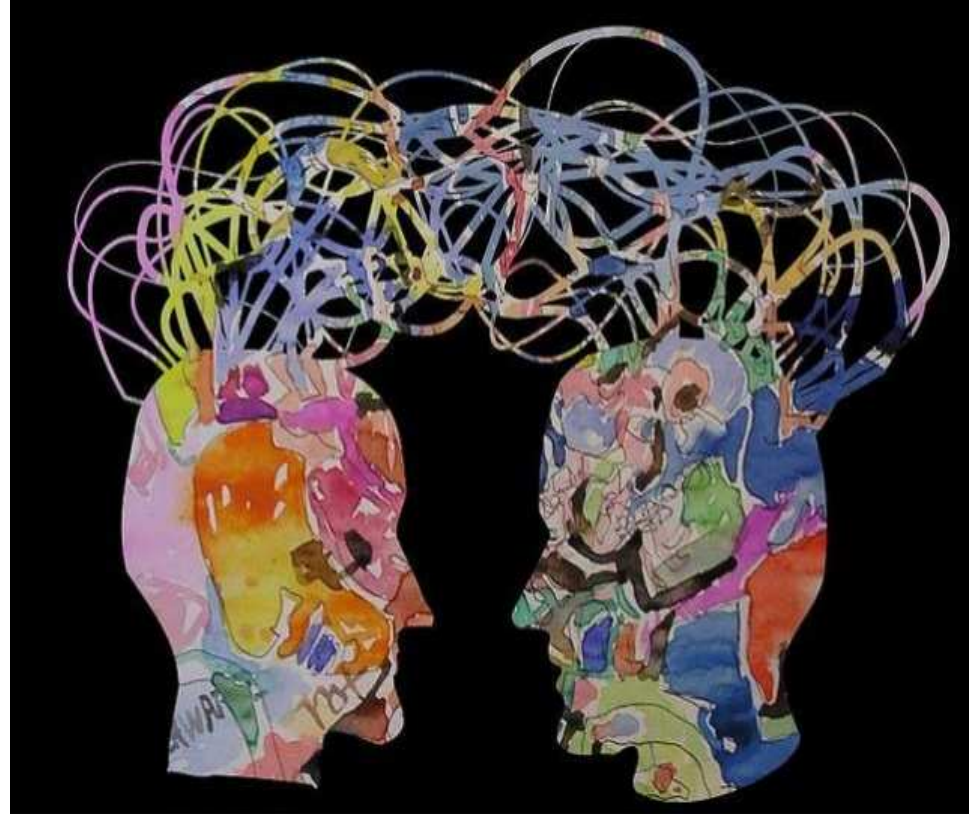
लखनऊ (डीएनएन)। माध्यमिक शिक्षा विभाग में होने वाली हर गतिविधियों की जानकारी अब आम लोगों को फेसबुक व ट्विटर पर भी मिल सकेगी। इसके लिए फेसबुक व ट्विटर का एकाउंट भी खोल दिया गया है। यह जानकारी माध्यमिक शिक्षा निदेशक अवध नरेश शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि जिला विद्यालय निरीक्षक तथा संयुक्त शिक्षा निदेशक के द्वारा माध्यमिक शिक्षा विभाग में समय-समय पर किए जा रहे विशेष कार्यों के उल्लेख के लिए जनपद स्तर पर भी फेसबुक व ट्विटर एकाउंट खोले जाएंगे। इसी प्रक्रिया के अगले चरण में प्रत्येक विद्यालय के अपने फेसबुक एकाउंट एवं ट्विटर

एकाउंट खोले जाने के लिए भी निर्देशित किया जाए। ताकि यह सुनिश्चित किया जाए के प्रदेश के सभी डीआईओएस कार्यालय एवं जेडी कार्यालय फेसबुक पर उपलब्ध हों। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक राजकीय, सहायता प्राप्त एवं गैर-सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय फेसबुक एवं ट्विटर पर उपलब्ध हों। जिससे जहां एक ओर विभाग के महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सूचनाओं के आदान-प्रदान में गतिशीलता आएगी। वहीं प्रत्येक विद्यालय तक विभाग के क्रिया-कलापों की महत्वपूर्ण जानकारियां सुलभ हो सकेंगी। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है।



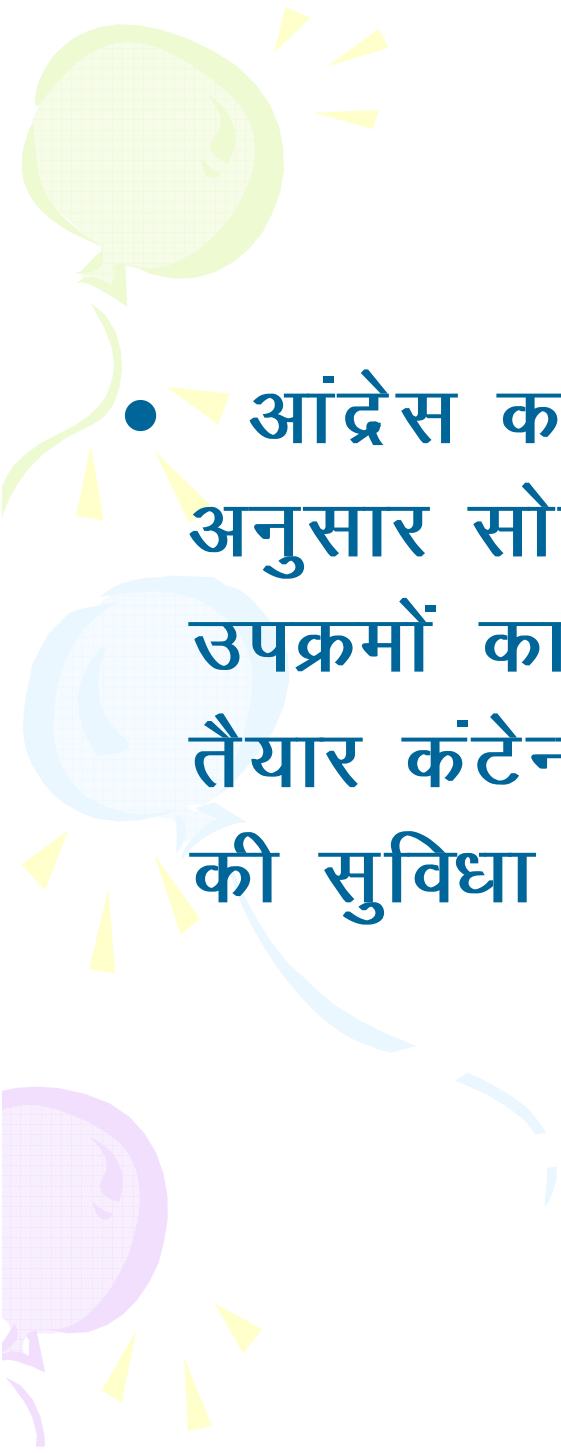
सोशल मीडिया ?

- प्रकाशित करना
- साझा करना
- विमर्श करना



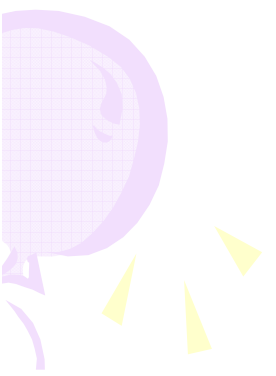
- सोशल मीडिया के मायने आभासी समुदाय या नेटवर्क में लोगों के बीच परस्पर सूचनाओं व विचारों के सृजन करने, साझा करने या आदान-प्रदान करने से है ।

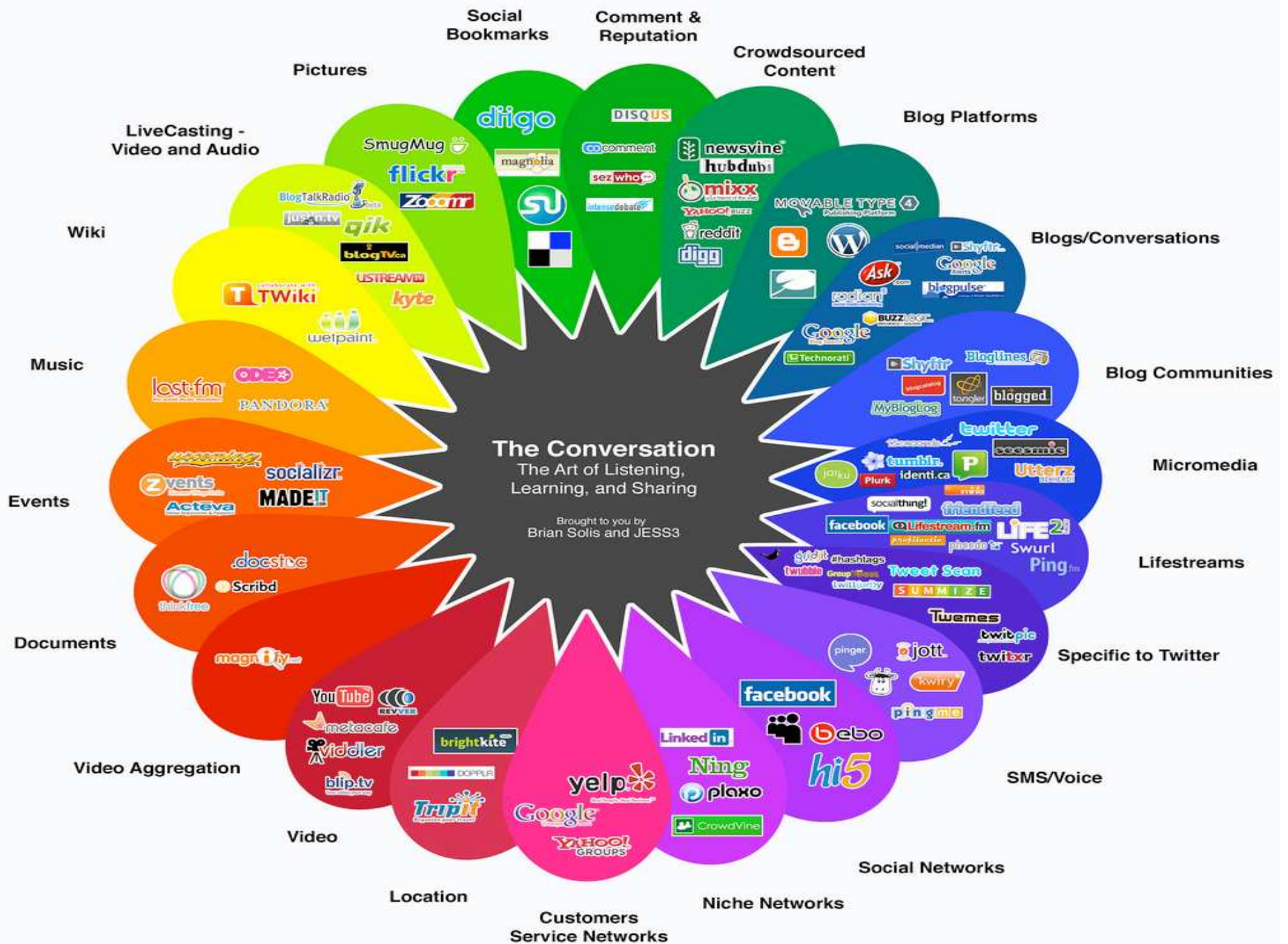


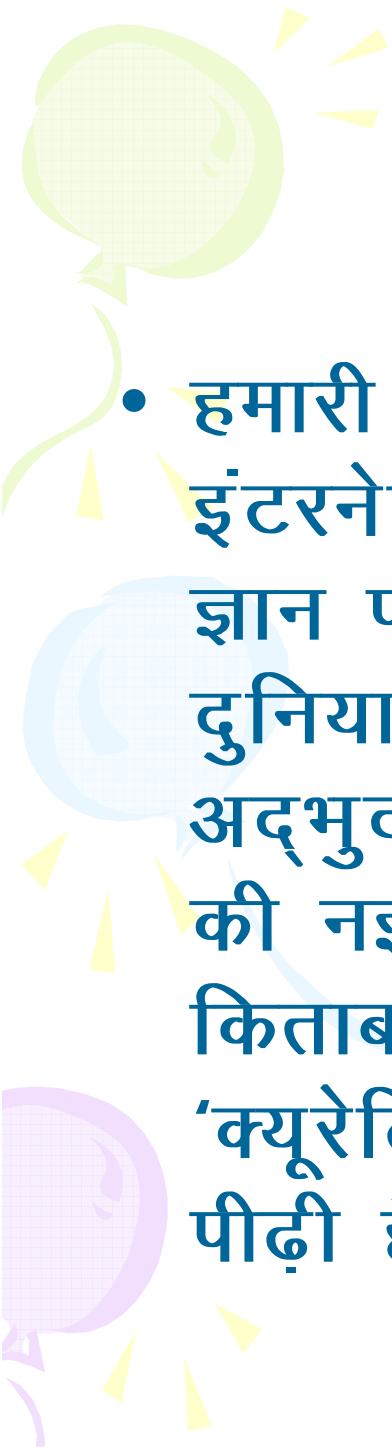
- 
- आंद्रेस कपलान और माइकल हीनलिन के अनुसार सोशल मीडिया इंटरनेट आधारित उपक्रमों का समूह है, जो उपयोगकर्ताओं द्वारा तैयार कंटेंट को सृजित करने व साझा करने की सुविधा देता है।

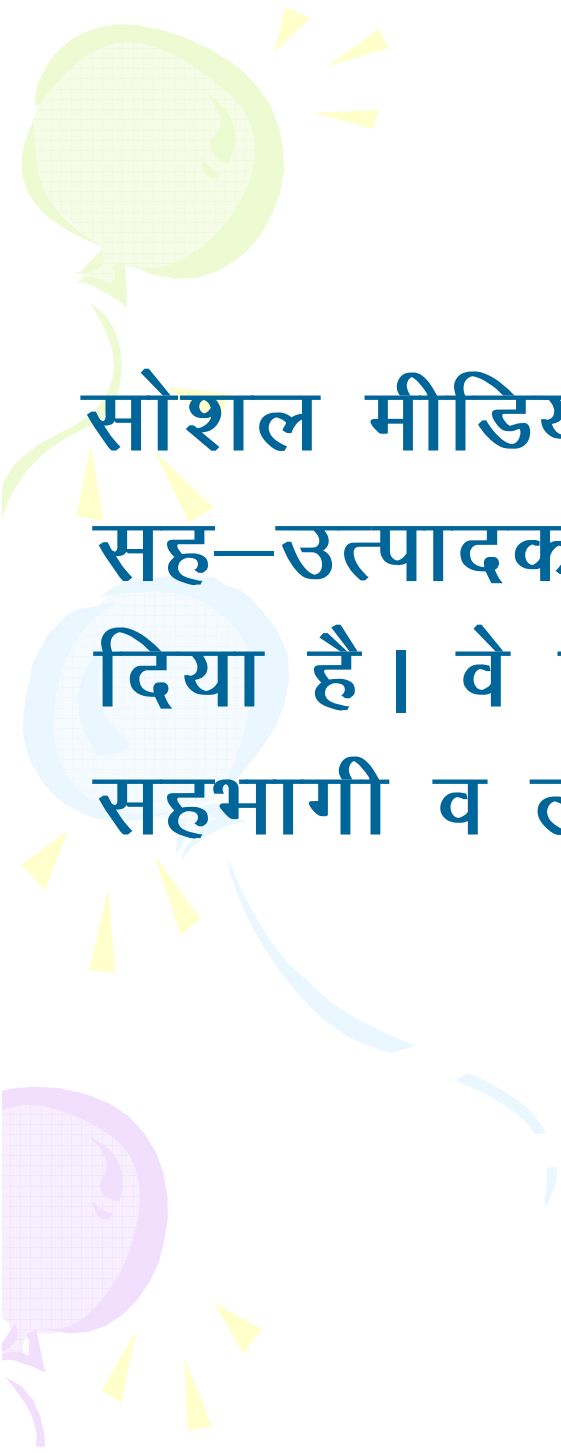


સોશલ મીડિયા :

- કોલેબોરેટિવ પ્રોજેક્ટ (ઉદા : વિકીપીડિયા)
 - બ્લૉગ વ માઇક્રોબ્લૉગ (ઉદાહરણ : ટ્વિટર)
 - કન્ટેન્ટ કમ્યુનિટીજ (ઉદાહરણ : યૂ ટ્યૂબ)
 - સોશલ નેટવર્કિંગ સાઇટ (ઉદાહરણ : ફેસબુક)
- 



- 
- हमारी 'नेट पीढ़ी' हमसे एकदम भिन्न तरीके से इंटरनेट का इस्तेमाल कर रही है। सूचनाएं व ज्ञान पाने, उसे समृद्ध करने और फिर उसे दुनिया से साझा करने की प्रवृत्ति, इस पीढ़ी की अद्भुत विशेषता है। अब यह पीढ़ी ज्ञान संवर्धन की नई तकनीकियों से लैस है। उसके पास किताबों का अंबार है और यह हमसे अधिक 'क्यूरेटिव' यानी चीजों को सहेज लेने वाली पीढ़ी है।



सोशल मीडिया ने विद्यार्थियों को ज्ञान का सक्रिय सह-उत्पादक (**active co-producer**) बना दिया है। वे ज्ञान प्राप्त करने में पहले से अधिक सहभागी व लगनशील हो रहे हैं।

ट्विटर : शिक्षा के आदान-प्रदान व सोच-समझ
का नया ठिकाना



ट्विटर

- यह माइक्रोब्लॉगिंग का उदाहरण है, जिसमें हम अपनी बात 140 अक्षरों में कह सकते हैं।



Tweet

A message posted via Twitter
containing 140 characters or fewer



Mike Kaepe THE DENVER POST 03.27.11

MASS
PUBLICATION

EMAIL

TWITTER

MOVABLE
TYPE

FIRST
WRITTEN
WORD

140
CHARACTERS.
WHAT MORE
IS THERE
TO SAY?

TWEET
TWEET

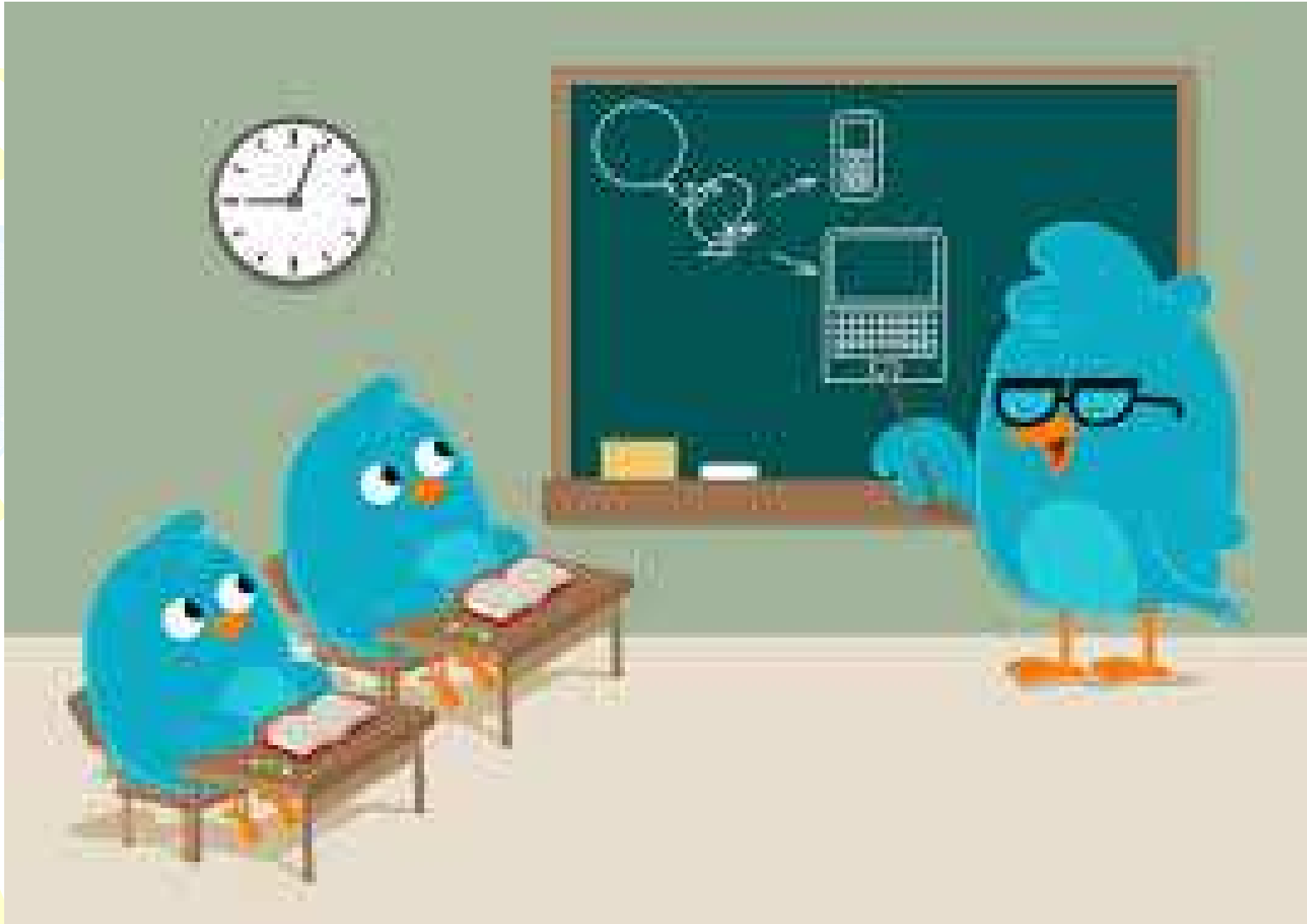
THE EVOLUTION OF
COMMUNICATION



- 
- सन् 2011 में स्वीडन में 'स्वीडिश ट्विटर युनिवर्सिटी' अस्तित्व में आई ।

- 
- मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज (मूक)
जन शिक्षण का अद्भुत उदाहरण

ट्विटर स्कूल



ट्विटर का प्रभावी
प्रयोग कक्षा के
भीतर सामाजिक
आयाम को बेहतर
बनाता है ।



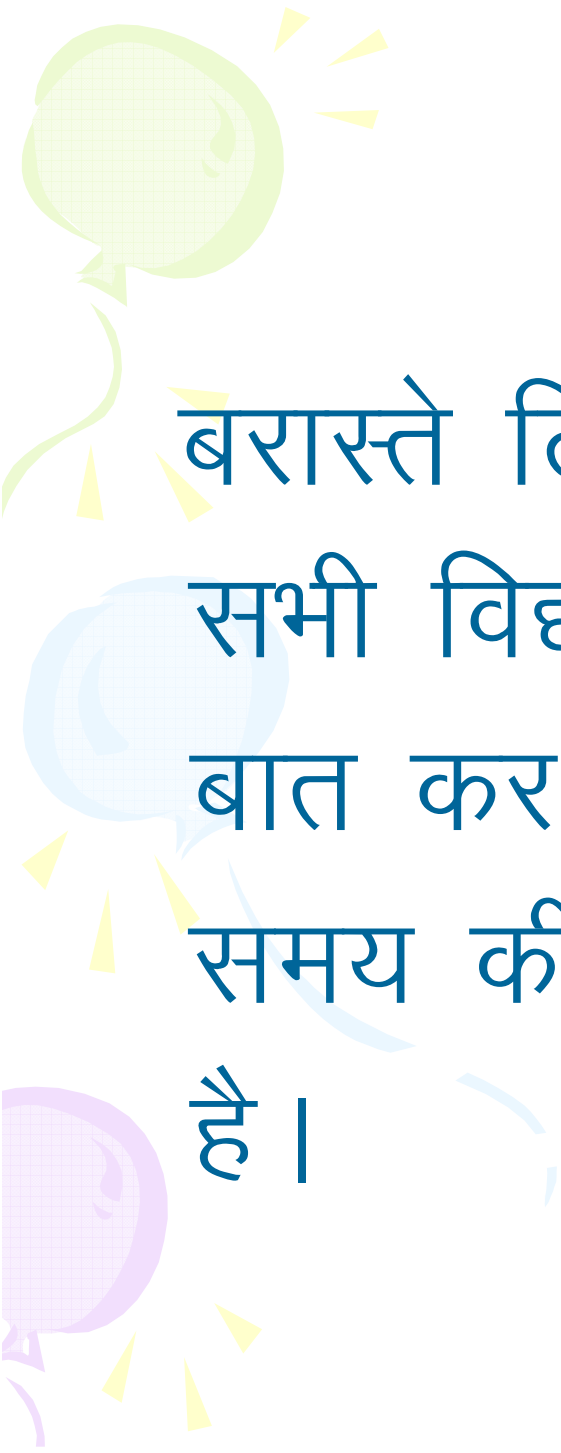
बच्चों में सहभागिता की
भावना बढ़ती है तथा
उनमें सम्प्रेषणीयता का
भाव सहजता से आ जाता
है ।



ट्विटर कक्षा से बाहर की दुनिया को भी कक्षा के भीतर होने वाले विमर्श में जोड़ लेता है। इसका लाभ शिक्षक व विद्यार्थी, दोनों को मिलता है।



"This is progress for you, social networking that does not involve lamp-posts."

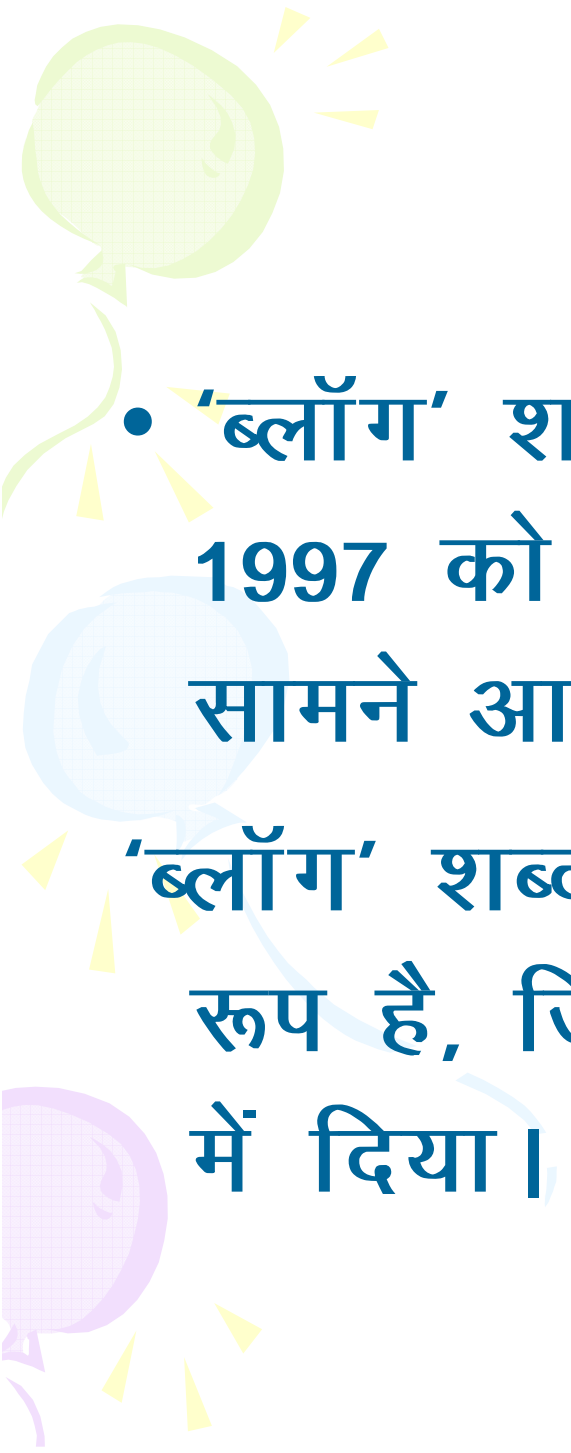


बरास्ते ट्विटर एक शिक्षक अपने
सभी विद्यार्थियों से अलग-अलग
बात कर सकता है जो सीमित
समय की कक्षा में असंभव सा होता
है ।

ब्लॉग

- B = बाउण्ड्री (सीमा)
- L = लेस (रहित)
- O = ऑनलाइन
- G = गॉसिप (गप्प)



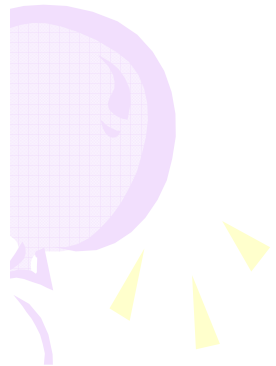


- 'ब्लॉग' शब्द सबसे पहले 17 दिसम्बर 1997 को 'वेब लॉग' शब्द के रूप में सामने आया।

'ब्लॉग' शब्द 'वेब लॉग' का ही संक्षिप्त रूप है, जिसे पीटर मेरहोल्ट्ज ने 1999 में दिया।



• 'ब्लॉग' एक वेबसाइट है जो
क्रमवार हमारे द्वारा दिये गये
विवरण को देती है ।



ब्लॉग है—

- एक व्यक्तिगत डायरी
- एक रोजनमाचा
- एक सहकारी स्थान
- एक राजनीतिक बहस का कोना
- दुनिया को संदेश
-और भी बहुत कुछ



आप
'ब्लॉगर'

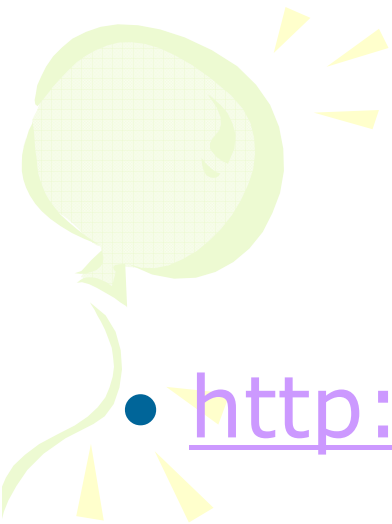


या फिर

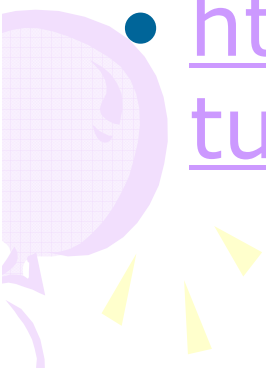
'वर्ड प्रेस'



पर अपना ब्लॉग बना सकते हैं ।



कुछ उदाहरण

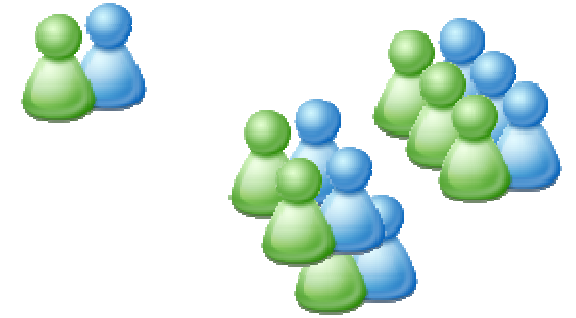
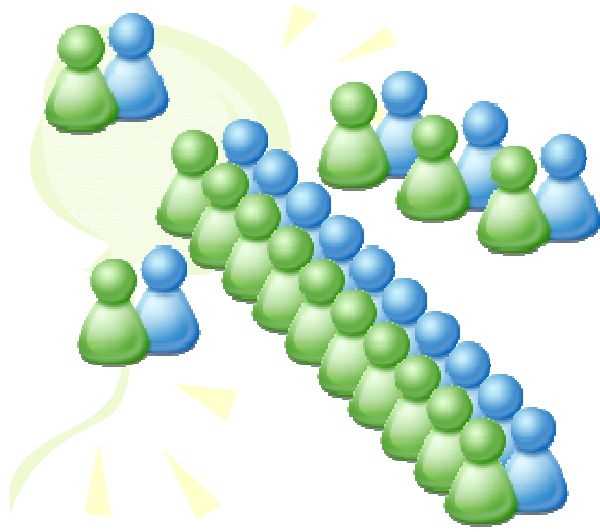
- <http://www.chemistry-blog.com/>
 - <http://educationatit.wordpress.com/affiliations/smu/mass-communication-and-journalism/>
 - <http://mass-communication-tutorials.blogspot.in/>
- 
- 



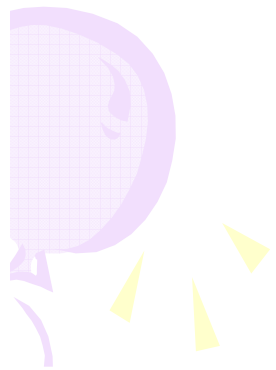
इतिहास



- फरवरी 2014
- मार्क जकेरबर्ग और उसके सहपाठियों ने इसे जन्म दिया

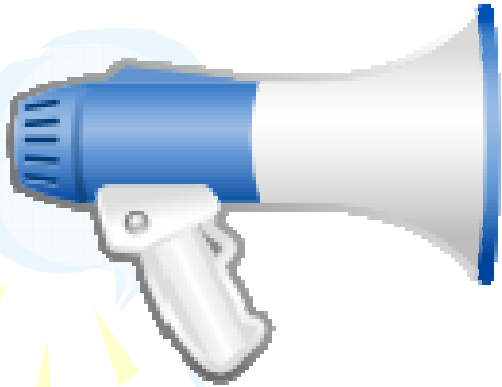


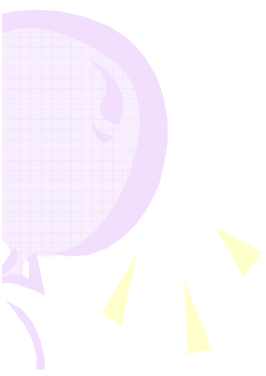
फेसबुक को दुनिया में
एक नये देश में रूप
में देखा जाने लगा है ।





कुछ स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय
फेसबुक इस्तेमाल कर रहे हैं—



- आपातकालीन सूचनाओं के लिए
 - जरूरी सूचनाओं व नोटिसों के लिए
 - विद्यार्थियों, शिक्षकों व प्रशासन के बीच संवाद बनाए रखने के लिए
- 



फेसबुक पर विद्यार्थी स्वयं के द्वारा प्राप्त किये
गये ज्ञान को साझा कर रहे हैं।

- <https://www.facebook.com/timeshighereducation>
- <https://www.facebook.com/groups/612259152135367/>

वेबिनार

- एक ऑनलाइन सेमिनार
- दुनिया भर में अपनी बात फैलाने व अपने विमर्श में दुनिया को सहभागी बनाने का अप्रतिम प्रयास



वेबिनार

- खर्च कम
- प्रभावी संचार
- समय की बचत
- सूचनाओं व संदेशों का व्यापक प्रसार
- ब्रैण्डिंग



पोडकास्ट

- आवाज की डिजिटल रिकार्डिंग को इंटरनेट पर उपलब्ध कराने का उपक्रम



शिक्षा में पॉडकास्ट का प्रयोग

शिक्षक अपने विषयों के व्याख्यान को पॉडकास्ट कर सकते हैं।

व्याख्यान को सुनने की बारम्बारता बढ़ जाने से विद्यार्थियों को लाभ होता है।

विद्यार्थी अपना पॉडकास्ट तैयार कर सकते हैं। इससे उनकी शैक्षिक व सर्जनात्मक क्षमताओं का विकास होता है।





कैसे तैयार करें पॉडकास्ट ?

रिकार्डिंग

पॉडकास्ट का परीक्षण

पॉडकास्ट को ऑन लाइन करना

पॉडकास्ट का प्रचार करना

पोडकास्टिंग के सॉफ्टवेयर

ऑडिसिटी
पोडोमेटिक
ऑडिगो



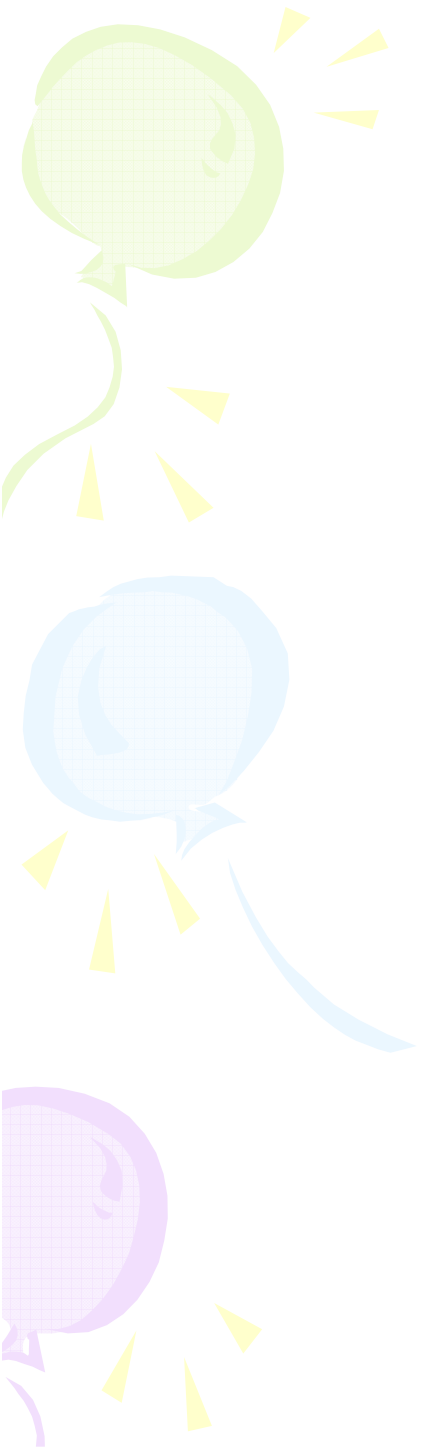


कुछ उदाहरण

- <http://www.educause.edu/blogs/dianao/podcasting-classroom-educause-pocket-edition-3>
- <http://www.circulatingideas.com/>
- <http://podcast.teachercast.net/>

नया मीडिया + सृजनात्मकता





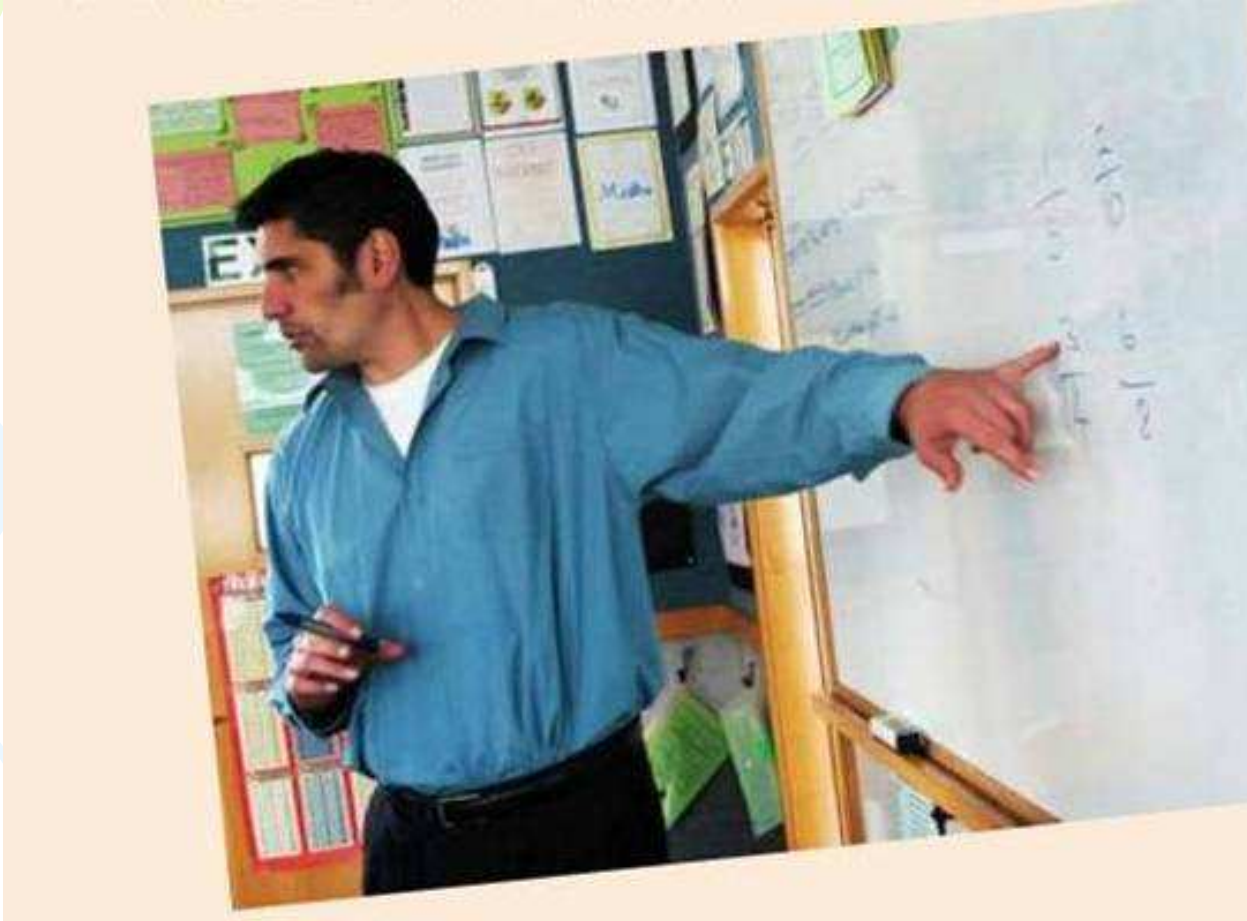
विद्यार्थियों

में

सृजनात्मक

अनुभव संचित होते हैं

डॉक्टर जीवन बचाते हैं



अध्यापक जीवन बनाते हैं

थकान मिटाने का इससे बेहतर
और कोई रास्ता नहीं—

चाय की चुस्की और एक कहकहा।

अपना तो इतना ही सामान रहा।

- c.dhananjai@gmail.com



ये आप ही तो
थे, जिसके लिए
मैं यहाँ आया।

साथ बने रहने के
लिए धन्यवाद

